





## न्यूज ब्रीफ

जानलेवा हमले में आरोपी को जमानत नहीं

अयोध्या, अमृत विचार : जानलेवा हमले करने के मामले में आरोपी दिनांकित हो जाना त पर रिहा करने से कोई ने इनकार कर दिया है। यह आदेश अपर जिला जज सुरेंद्र मोहन सहाय की अदालत से बुधवार को हुआ है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता ज्ञानेश वर्द पांडे बुधवार पांडे ने बताया कि घटना 16 सितंबर 2024 की है। आरोपी के पेट्रोल पाप पर मोर्टारसाइकिल में दीपक कुमार सिंह नियारोशी बराह का पुरावा पेट्रोल डबलवाने गए थे। उनके साथ इनकार सिंह थी थी। वह हांसे घर लौट रहे थे कि अबू सहाय पहुंच रही ही आरोपी रिप्पल सिंह ने हांस में लिए हुए असरों से अपर जपार के ऊपर कापर कर दिया। हालांकि गोली उनको नहीं लगी।

## तालाब में उत्तराता

## मिला युवक का शव

बड़गांव, अमृत विचार : रैनाही शान क्षेत्र की ग्राम परिवार तथा मनमान धीरहगा के मजरे करता करने से वाले विशाल पासी (22) पूर्व प्रमंच दंगलवार खुब घर में निकला तो वासा नहीं लाया। शाम को कुछ ग्रामीणों का गांव से परिषम एक तालाब में शव होने की जानकारी हुई। पुलिस ने शव को जाल वह गोताखोरों के मध्यम से बाहर निकलवाकर पोटर्सार्म के लिए भेज। वोकी प्रभारी जिनेंद्र सिंह ने बताया कि उनका बुधवार का शव गोताखोरों के मध्यम से बाहर निकलवाकर पोटर्सार्म के लिए भेज।





## न्यूज ब्रीफ

पूर्व विधायक के केस में बहस 30 को

सुलतानपुर, अमृत विचार: आदर्श आरोपियों के खिलाफ चल रहे मुकदमे की सुनवाई हुई। बवाद पक्ष के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने बताया अब 30 सितंबर को बहस होगी। मामला 24 फरवरी 2022 का है, जब विधायक सभा नुसार के दौरान बिना अनुमति नहीं रखा एवं करने पर ये एकाई आरोपियों के बंधनपत्र फहले ही दखिल हो चुके हैं।

## दीवार गिरने से वृद्धि की मौत

कानपीर, सुलतानपुर, अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के कानपीर खुद गांव में बुधवार सुबह छाप ठीक कर रहे एक बुजुंगी की दीवार गिरने से मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक मगर (59) पुरुष देवकी पाल सुबह करीब आठ बजे कुछ छाप के साथ छप्पर पर उसे झांपा रहे थे। इस दौरान बारिश से भीषणीयी दीवार अवानक भरभरकर रकम पड़ी और उनकी दबकर मौके पर ही मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक शयम सुंदर ने बताया कि शब को केंद्र में लेकर पंचनाम कर पटार्मार्ट के लिए भेजा गया है।

## रंजिशन घर में घुसकर मां-बेटे को पीटा

कानपीर, सुलतानपुर, अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के दमोदरपुर गांव में मगलवार दोपहर रंजिश के घरते विपक्षीयों ने घर में घुसकर एक महिला और उसके बेटे को पीटकर धायल कर दिया। पीटिता शिलता देवी पल्ली सभी निषाद का आरोप है कि गांव के पेटू उसकी पर्नी शेषा ने लात-धूंध, डंडे और लोह की सरिया से मामला दिया। बीच बाजार में आए बेटे की भी घोंसे आई, वही शिलता देवी का ऊपर कांट दाल रखा। प्रभारी निरीक्षक शयम सुंदर ने बताया कि पीटिता की तहरीर पर नामजद मुकदमा दर्भ कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

**कार्य से दीवानी गए टैक्स इंस्पेक्टर की बाइक चोरी**  
सुलतानपुर, अमृत विचार: जिला प्रयात वर्ष में कार्यरत टैक्स इंस्पेक्टर देव पांडेय की कार्य से बुधवार को दोपहर दीवानी गयी। अपनी बाइक के लिए बाइक चोरी का तेल ले जाने वे कमरे में बन्द कर दुष्कर्म करने के मामले में बुधवार को पांक्षिक एक्ट के विशेष जज ने दोषी को देखा। जानकारी के मुताबिक मगर (59) पुरुष देवकी पाल सुबह करीब आठ बजे कुछ छाप के साथ छप्पर पर उसे झांपा रहे थे। इस दौरान बारिश से भीषणीयी दीवार अवानक भरभरकर रकम पड़ी और उनकी दबकर मौके पर ही मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक शयम सुंदर ने बताया कि शब को केंद्र में लेकर पंचनाम कर पटार्मार्ट के लिए भेजा गया है।

## किशोरी के अपहरण और दुष्कर्म के दोषी को 10 वर्ष का कारावास

पॉक्सो कोर्ट के विशेष जज ने दोषी पर 35 हजार रुपये का अर्थदण्ड भी लगाया



विधि संवाददाता, सुलतानपुर

## दहेज हत्या के मामले में पति को 10 वर्ष की कैद

संवाददाता, सुलतानपुर: अपर सत्र न्यायाधीश एफटीसी दिवीय की अदालत ने बुधवार को देखा हत्या के मामले में आरोपी बल्लू निषाद पुरु बुधवार निवासी के लिए दहेज हत्या में 10 वर्ष के केंद्रीय कारावास और 15 हजार रुपए अर्थदण्ड की सजा सुनाकर जेल भेज दिया। एकीजीसी संजय सिंह के अनुसार मोतीलाल निवासी हंदरांग, फैजाबाद ने 16 अगस्त 2014 को एफआईआर दर्ज की थी कि उसकी पुरी प्रीती की शादी 6 मई 2013 को बल्लू से हुई थी। विहार के बाद से ही सोने की बेन की माम को लेकर उसे प्रताड़ित किया जान लगा। माम पूरी न होने पर 15 अगस्त 2014 को उसकी हत्या कर दी गई। विवेचना के उपरांत आरोप पत्र केवल बल्लू निषाद से अपराध सिद्ध हो गया। अदालत ने अपराध को दस्तावेजों से अपराध कर्ता एवं दहेज माम के कारण सुनाकर जेल भेज दिया। कोर्ट ने दोषी सात वर्ष के भीतर हुई थी और दहेज माम के कारण सुनाकर जेल भेज दिया। एकीजीसी संजय सिंह के अनुसार मोतीलाल निवासी हंदरांग, फैजाबाद ने 16 अगस्त 2014 को एफआईआर दर्ज की थी कि उसकी पुरी प्रीती की शादी 6 मई 2013 को बल्लू से हुई थी। विहार के बाद से ही सोने की बेन की माम को लेकर उसे प्रताड़ित किया जान लगा। माम पूरी न होने पर 15 अगस्त 2014 को उसकी हत्या कर दी गई। विवेचना के उपरांत आरोप पत्र केवल बल्लू निषाद से अपराध सिद्ध हो गया। अदालत ने अपराध को दस्तावेजों से अपराध कर्ता एवं दहेज माम के कारण सुनाकर जेल भेज दिया। कोर्ट ने 50 हजार रुपए राज्य सरकार के खाते में जमा करने का आदेश दिया है।

• कोर्ट ने 15 हजार रुपए अर्थदण्ड लगाया

भेजने के बावजूद भुगतान नहीं किया गया। मामले को सुनवाई के दौरान आरोपी ने स्वयं को निर्दोष बताया, किन्तु परिवार द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य निवासी के लिए दहेज हत्या में 10 वर्ष के केंद्रीय कारावास और 15 हजार रुपए अर्थदण्ड की सजा सुनाकर जेल भेज दिया। एकीजीसी संजय सिंह के अनुसार मोतीलाल निवासी हंदरांग, फैजाबाद ने 16 अगस्त 2014 को एफआईआर दर्ज की थी कि उसकी पुरी प्रीती की शादी 6 मई 2013 को बल्लू से हुई थी। विहार के बाद से ही सोने की बेन की माम को लेकर उसे प्रताड़ित किया जान लगा। माम पूरी न होने पर 15 अगस्त 2014 को उसकी हत्या कर दी गई। विवेचना के उपरांत आरोप पत्र केवल बल्लू निषाद से अपराध सिद्ध हो गया। अदालत ने अपराध को दस्तावेजों से अपराध कर्ता एवं दहेज माम के कारण सुनाकर जेल भेज दिया। कोर्ट ने 50 हजार रुपए राज्य सरकार के खाते में जमा करने का आदेश दिया है।

## चर्चित इंस्पेक्टर दुष्कर्म केस डिस्चार्ज अर्जी खारिज

महिला आरक्षी से दुष्कर्म के आरोपित इंस्पेक्टर

• 25 को तय नीचे तोमर की ओर होंगे आरोप

से दाखिल डिस्चार्ज

अर्जी खारिज करने का आदेश दिया है।

चर्चित इंस्पेक्टर दुष्कर्म केस

डिस्चार्ज अर्जी खारिज

महिला आरक्षी से दुष्कर्म के आरोपित इंस्पेक्टर

• 25 को तय नीचे तोमर की ओर होंगे आरोप

से दाखिल डिस्चार्ज

अर्जी खारिज करने का आदेश दिया है।

चर्चित इंस्पेक्टर दुष्कर्म केस

डिस्चार्ज अर्जी खारिज

महिला आरक्षी से दुष्कर्म के आरोपित इंस्पेक्टर

• 25 को तय नीचे तोमर की ओर होंगे आरोप

से दाखिल डिस्चार्ज

अर्जी खारिज करने का आदेश दिया है।

चर्चित इंस्पेक्टर दुष्कर्म केस

डिस्चार्ज अर्जी खारिज

महिला आरक्षी से दुष्कर्म के आरोपित इंस्पेक्टर

• 25 को तय नीचे तोमर की ओर होंगे आरोप

से दाखिल डिस्चार्ज

अर्जी खारिज करने का आदेश दिया है।

चर्चित इंस्पेक्टर दुष्कर्म केस

डिस्चार्ज अर्जी खारिज

महिला आरक्षी से दुष्कर्म के आरोपित इंस्पेक्टर

• 25 को तय नीचे तोमर की ओर होंगे आरोप

से दाखिल डिस्चार्ज

अर्जी खारिज करने का आदेश दिया है।

चर्चित इंस्पेक्टर दुष्कर्म केस

डिस्चार्ज अर्जी खारिज

महिला आरक्षी से दुष्कर्म के आरोपित इंस्पेक्टर

• 25 को तय नीचे तोमर की ओर होंगे आरोप

से दाखिल डिस्चार्ज

अर्जी खारिज करने का आदेश दिया है।

चर्चित इंस्पेक्टर दुष्कर्म केस

डिस्चार्ज अर्जी खारिज

महिला आरक्षी से दुष्कर्म के आरोपित इंस्पेक्टर

• 25 को तय नीचे तोमर की ओर होंगे आरोप

से दाखिल डिस्चार्ज

अर्जी खारिज करने का आदेश दिया है।

चर्चित इंस्पेक्टर दुष्कर्म केस

डिस्चार्ज अर्जी खारिज

महिला आरक्षी से दुष्कर्म के आरोपित इंस्पेक्टर

• 25 को तय नीचे तोमर की ओर होंगे आरोप

से दाखिल डिस्चार्ज

अर्जी खारिज करने का आदेश दिया है।

चर्चित इंस्पेक्टर दुष्कर्म केस

डिस्चार्ज अर्जी खारिज

महिला आरक्षी से दुष्कर्म के आरोपित इंस्पेक्टर

• 25 को तय नीचे तोमर की ओर होंगे आरोप

से दाखिल डिस्चार्ज

अर्जी खारिज करने क

## न्यूज ब्रीफ

सङ्केत हादसे में दो

पुलिसकर्मी घायल

नवाबगंज। बुधवार की सुबह गश्ट पर निकले दो मुख्य आरक्षी सङ्केत हादसे का शिकायत हो गए। शान अध्यक्ष अभ्यंति सिंह ने बताया कि मुख्य आरक्षी अधिकारी की शिकायत के कारण भगवान अधिकारी थे। सङ्केत हादसे के बाहर की दीवानी लाल और बाहर का पर गिर गए। बाहर अधिकारी को तुरत अयोध्या के राजस्व दशरथ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। इकितक्कों ने योगेन्द्र नाथ की शिक्षित गंभीर होने के कारण उड़े लखनऊ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। अधिकारी सिंह का इलाज अयोध्या मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

**पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत दिया ट्रूल किट**

गोडा : जिला पंचायत समागम में बुधवार को विश्वकर्मा जयवी पर पीएम विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत चयनित लाभार्थीयों को ट्रूल किट प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री ने योगेन्द्र नाथ की शिक्षित गंभीर होने के कारण उड़े लखनऊ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। अधिकारी सिंह का इलाज अयोध्या मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।









पि

छले दशक में इंजीनियरिंग की कंप्यूटर साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, मशीन लर्निंग जैसी टेक्नोलॉजी उन्मुख शाखाओं और कॉलेजों, दोनों की पहली पसंद बन गई थीं। कारण स्पष्ट है कि उच्च सैलरी, नौकरी के लोबल अवसर, इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी उद्योग की होड़ और डिजिटल इंडिया की महत्वाकांक्षाएं। इस सफलता की चमक ने यह सोच दी कि जितना हो सके सीएसई में सीटें बढ़ाओ। तेलंगाना हाईकोर्ट के ताजा फैसले ने एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया है कि कितनी बढ़ी हुई सीएसई सीटें अभी मांग के अनुरूप हैं? क्या यह वृद्धि रिक्त है या सिर्फ इरादा मात्र है? अगर यह मांग कम हो गई तो क्या भविष्य में बेरोजगारी की लौ में झुलसेंगे छात्र?

हाल ही में तेलंगाना हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के उस फैसले को सही ठहराया, जिसमें कहा गया कि कंप्यूटर साइंस (सीएसई) की सीटें अब और नहीं बढ़ाई जा सकतीं। जिन कॉलेजों ने मनमानी करते हुए हजारों सीटें जोड़ ली थीं, उनकी संख्या घटायी जाएगी। कोर्ट का तर्क साक था मांग और आपूर्ति का संतुलन बिंदुना खतरनाक है। तेलंगाना के इस आदेश ने न सिर्फ बढ़ा के प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेजों को झटका दिया, बल्कि पड़ोसी शाखाओं के लिए भी चेतावनी की घटी बजा दी। खासकर कनार्टक ने तो तुरंत सकेत दें दिए हैं कि वे भी इसी दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं।

राकेश जैन  
स्वतंत्र पत्रकार

# इंजीनियरिंग अब कम होंगी कंप्यूटर साइंस की सीटें



## एआईसीटी का रोल और विवाद

एआईसीटी का नियम है कि कोई भी कॉलेज बिना उसकी मंजूरी के सीट नहीं बढ़ा सकता, लेकिन हाल के वर्षों में संस्था ने काफी लचीला रखा था अपनाया। यदि किसी कॉलेज के पास बिल्डिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर है, तो उसे सीटें बढ़ाने की इजाजत मिल जाती थी। कॉलेज इस नियम का फायदा उठाकर बड़ी संख्या में सीटें सीएसई में दास्फर करने लगे। समस्या यह है कि एआईसीटी की मंजूरी तकनीकी आधार पर थी, जबकि मार्केट की वास्तविक मांग और भविष्य की संभावनाओं का आकलन नहीं हुआ। यही वजह है कि अब राज्य सरकारें और अदालतें हस्तक्षेप कर रही हैं।

## भविष्य की चुनौती: मांग बनाम आपूर्ति

सीएसई और एआई को डिमांड अभी ऊचाई पर है, लेकिन कोई भी मार्केट अनंत नहीं होता। यदि सीटें लगातार बढ़ती रहीं तो कुछ वर्षों बाद बेरोजगारी का खतरा बढ़ेगा। टेक सेक्टर में छंटनी पहले से देखने को मिल रही है। दूसरी ओर मैकेनिकल, सिविल, इलेक्ट्रिकल जैसी पारंपरिक शाखाओं में दाखिल लेने वाले छात्रों की संख्या घट रही है। सरकारों को डर है कि यदि यही ट्रैंड जारी रहा तो भारत के पास पुल बनाने वाले इंजीनियर, स्टील इंडस्ट्री के विशेषज्ञ या इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियर नहीं बचेंगे।



## तेलंगाना से कर्नाटक तक

तेलंगाना के फैसले के बाद अब कर्नाटक के उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा है कि वे भी सीएसई सीट प्रीज करने का नियम लाने पर विचार कर रहे हैं। इससे बड़े यानी टीयर-1 शहरों में प्राइवेट कॉलेजों का अनियंत्रित विस्तार रुकावा और भविष्य की बेरोजगारी कम होगी। यदि कर्नाटक ऐसा करता है, तो महाराष्ट्र और पर्यावरण बंगाल जैसे राज्यों पर भी दबाव बनेगा। एक बार यह सिलसिला शुरू हुआ तो यह पूरे भारत की इंजीनियरिंग शिक्षा का संतुलन फैल रहा पारंपरिक शाखाओं की ओर झुक सकता है। इससे इंडस्ट्री की जरूरतें भी पूरी होंगी और सभी सेक्टर्स के लिए स्किल्ड इंजीनियर तैयार होंगे।

## अब क्या होगा

सीएसई सीटें घटेंगी तो एडमिशन की दौड़ और भी कठिन हो जाएगी। छात्रों का मजबूरी में अन्य शाखाओं जैसे-मैकेनिकल, सिविल, इलेक्ट्रिकल, कैमिकल की ओर रुख करना होगा। कॉलेज भी चालाकी द्याएंगे और कहेंगे कि सीएसई नहीं तो एआई/डेटा साइंस ले लो, लेकिन सरकारें उन पर भी सीमा तय कर सकती हैं। इसलिए अब वह दौर आने वाला है जब छात्रों को अपनी सोच बदलनी होगी और सिर्फ सीएसई पर निर्भर नहीं रहा होगा।

## इंजीनियरिंग कॉलेजों की शिक्षा का बड़ा सवाल

भारत में इंजीनियरिंग कॉलेजों की सबसे ज्यादा संख्या महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और पर्यावरण बंगाल में है। यदि इन राज्यों ने सीएसई सीटों पर रोक लगाया दी तो राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा असर दिखेगा। इंजीनियरिंग शिक्षा का संतुलन फैल रहा पारंपरिक शाखाओं की ओर झुक सकता है। इससे इंडस्ट्री की जरूरतें भी पूरी होंगी और सभी सेक्टर्स के लिए स्किल्ड इंजीनियर तैयार होंगे।



## संतुलन ही समाधान

कंप्यूटर साइंस आज की तरीख में चमकदार बांध है, लेकिन हर चमकदार चीज हमेशा टिकाऊ नहीं होती। सरकार और कोर्ट की दलाल यही है कि सिफर अल्पकालिक डिमांड देखकर सीटें बढ़ाना दूरदर्शित नहीं है। छात्रों को भी जाहिए कि वे बाकी शाखाओं की संभावनाओं को समर्थन करें। इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑटोमेजाल, मैन्यूफैक्चरिंग, एनर्जी जैसे सेक्टर भी भारत की रीढ़ हैं। आने वाले दो-तीन साल में यह नियम पूरे देश में लागू हो सकता है। ऐसे छात्रों, अधिकारिकों और कॉलेजों को अपनी रणनीति अभी से बदलनी होगी। कुल मिलकर तेलंगाना का कोर्ट यह फैसला भारत के इंजीनियरिंग शिक्षा इतिहास में एक टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है। यह न सिर्फ सीएसई की अंधी दौड़ को थामेगा, बल्कि बाकी इंजीनियरिंग शाखाओं को भी नया जीवन देगा।



## टाइम मैनेजमेंट और स्ट्रैटेजी से करें बैंक जॉब के सपने को साकार



बैंकिंग सेक्टर के प्रति युवाओं का क्रेज हमेशा से रहा है। जिन युवाओं का सपना बैंक में करियर बनाने का है उनके लिए बहुत ही सुनहरा अवसर है। हाल ही में इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सेलेक्शन (आईबीपीएस) के तहत क्षेत्री ग्रामीण बैंक ने वर्ल्क और अधिकारी के पदों पर 13217 भर्तियां निकली हैं। इसकी तैयारी करके युवा अपने बैंक जॉब के सपने को पूरा कर सकते हैं। आज हम आपको आरआरबी परीक्षा की तैयारी के कुछ महत्वपूर्ण टिप्पणी बताएं हैं, जो आपको परीक्षा क्रैक करने में मददगार साबित हो सकते हैं।

## परीक्षा पैटर्न और पाठ्यक्रम को समझें



आईबीपीएस आरआरबी परीक्षा की तैयारी कर रहे उम्मीदवारों को परीक्षा पैटर्न और पाठ्यक्रम की जानकारी होनी आवश्यक है। पाठ्यक्रम के अनुसार तैयारी के दौरान यह जरूरी होता है कि प्रारंभिक बृूप्य परीक्षा के लिए सभी विषय

- स्टडी प्लान बनाएँ: किसी भी परीक्षा की तैयारी के लिए आपको स्टडी प्लान बनाना बहद जरूरी है, जिसमें सभी विषय शामिल होने चाहिए।
- शक्तियों और कमज़ोरियों पर फोकस करें: कमज़ोर विषय और टायपिक की पहचान कर और उन पर पहले काम करें।
- स्टॉड और स्टीटी परीक्षा के लिए आपको स्टडी प्लान बनाना बहद जरूरी है, जिसमें सभी विषय शामिल होने चाहिए।
- विशेषज्ञता के लिए आपको स्टडी प्लान बनाना बहद जरूरी है, जिसमें सभी विषय शामिल होने चाहिए।
- विशेषज्ञता के लिए आपको स्टडी प्लान बनाना बहद जरूरी है, जिसमें सभी विषय शामिल होने चाहिए।
- नेटवर्क कौशल के लिए आपको स्टडी प्लान बनाना बहद जरूरी है, जिसमें सभी विषय शामिल होने चाहिए।
- संचार कौशल के लिए आपको स्टडी प्लान बनाना बहद जरूरी है, जिसमें सभी विषय शामिल होने चाहिए।
- समय प्रबंधन: परीक्षा की तैयारी और बैंक के लिए आपको समय समय प्रबंधन करना होता है।

## कैसे बनाएं रणनीति

हर साल बढ़ती प्रतिस्पर्धा के साथ, सही रणनीति का पालन, प्रश्नों की सटीकता पर ध्यान केंद्रित, समय का कुशल प्रबंधन करना और अपने स्कोर को अधिकतम करने के लिए

मांक टेस्ट के साथ अभ्यास सेट हैं, जो पिछले परीक्षा रुझानों में व्यापक अभ्यास और अंतर्विद्युत प्रदान करते हैं। कैम्पस वेस्ट एक्सेक्यूटिव नोट्स त्वरित याद के लिए सक्षिप्त, विषय-वार संस्करण प्रदान करते हैं। अद्यान और परीक्षा-केंद्रिय, समग्री स्पष्ट स्पष्टीकरण और प्राप्तिशील करिनाई के साथ शुरुआती और उन्नत दोनों उम्मीदवारों के लिए उपयुक्त है।

## एलटी ग्रेड टीजीटी के लिए श्रृंखला

■ यूपी एलटी ग्रेड सहायक अध्यापक (टीजीटी) प्री परीक्षा 2025-26 - विजय चक्र श्रृंखला पेपर 1: सामान्य अध्ययन, पेपर 2: कंप्यूटर, और पेपर 2: इतिहास (इतिहास) के लिए पूरी तैयारी प्रदान करती है, जो पूरी तरह से नवीनतम यूपीपीएसी पाठ्यक्रम पर आधारित है। पेपर 1 में 30+ अभ्यास सेट और हल किए गए पेपर 2018 शामिल हैं, जबकि पेपर 2 (कंप्यूटर और इतिहास) में हल किए गए पेपर 2018 के साथ प्रत्येक में 13 अभ्यास सेट हैं, जो पिछले परीक्षा रुझानों में व्यापक अभ्यास और अंतर्विद्युत प्रदान करते हैं। कैम्पस वेस्ट एक्सेक्यूटिव नोट्स त्वरित याद के लिए सक्षिप्त, विषय-वार संस्करण प्रदान करते हैं।





